





महिलाओं ने ही तो हर किसी
इंसान को जन्म दिया है । इस
आशीर्वाद स्वरूपी वरदान पर
हमें गर्व हो और हम आगे बढ़े,
अपनी अंदरूनी शक्ति पर
विश्वास करते हुए ।

- माता अमृतानंदमयी देवी
(अम्मा)



हर महीने आने वाले मासिक धर्म से ही तो जीवन आगे बढ़ पाता है

क्या आपको पता है कि आप जो सैनिटरी पैड इस्तेमाल कर के फेंकते हैं, उसका क्या होता है ?



एक पैड को नष्ट होने में
500 - 800 साल से
भी ज्यादा समय लग
जाता है



अगर हम पैड को जला
कर नष्ट करते हैं, तो
जल वायु को हम
प्रदूषित करते हैं



एक पैड में 4 बैग्स
जितना प्लास्टिक
होता है



पैड्स इस्तेमाल करने से
एक महीने में 4
प्लास्टिक बैग हम
फेंकते हैं



पूरे जीवन काल में हम
10,000-15,000
सेनेटरी पैड इस्तेमाल करके
फेंकेंगे ।

40,000-60,000
प्लास्टिक बैग के बराबर



यदि भारत की सभी महिलाएं सेनेटरी पैड इस्तेमाल करने लगीं, तो हर महीने एक महिला 12-15 पैड्स फेंकेगी। 40 करोड़ से भी ज्यादा पैड्स फेंकने की जगह हमें हर महीने तलाशनी होगी। क्या आपको पता है कि इन फेंके गए पैड्स का वजन लगभग 9 लाख टन होगा?

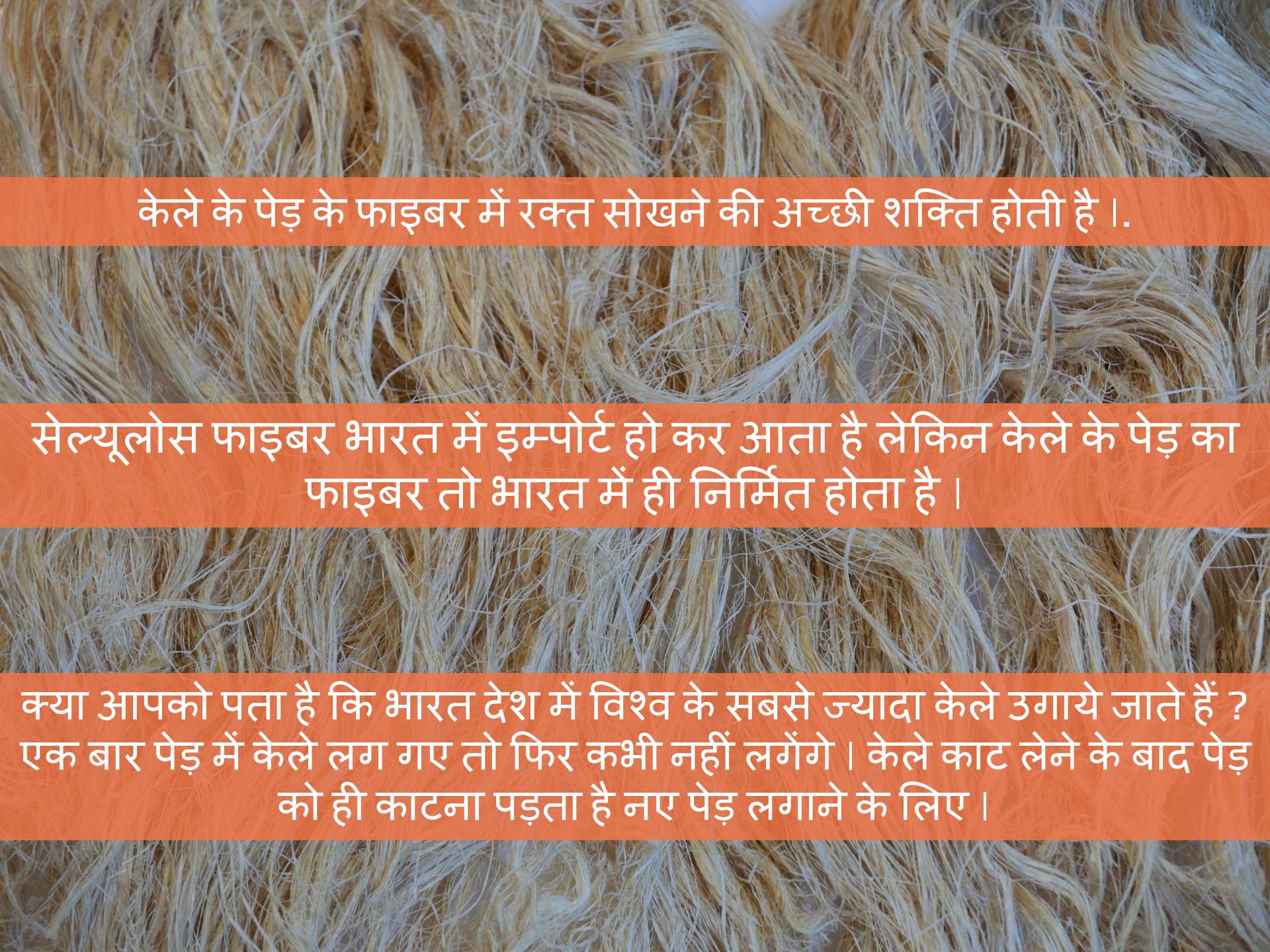
पैड़स में जो
सोखने का पदार्थ
है, वह पेड़ काट
कर बनता है। इसे
सेल्यूलोस फाइबर
भी कहते हैं।





Saukhyam
Reusable Sanitary Napkin





केले के पेड़ के फाइबर में रक्त सोखने की अच्छी शक्ति होती है ।

सेल्यूलोस फाइबर भारत में इम्पोर्ट हो कर आता है लेकिन केले के पेड़ का फाइबर तो भारत में ही निर्मित होता है ।

क्या आपको पता है कि भारत देश में विश्व के सबसे ज्यादा केले उगाये जाते हैं ? एक बार पेड़ में केले लग गए तो फिर कभी नहीं लगेंगे । केले काट लेने के बाद पेड़ को ही काटना पड़ता है नए पेड़ लगाने के लिए ।



सौख्यं पैड्स में केले के पेड़ का फाइबर डाला जाता है

यह पैड्स ४-७ साल तक आपके काम आ सकते हैं

क्या आपको पता है कि आजकल डॉक्टर भी रीयुसेबल पैड्स इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं ?

पैड्स में इस्तेमाल होने वाले सेल्यूलोस फाइबर को ब्लीच किया जाता है। इसके कारण डाईऑक्सींस नाम के खतरनाक तत्व सभी पैड्स पर पाए जाते हैं।



डाईऑक्सीस से कैंसर होने का खतरा है



योनि की त्वचा बहुत ही नाज़ुक होती है। यह डाईऑक्सीस हमारे शरीर को बहुत नुकसान पहुंचाते हैं क्योंकि लगातार २४ घंटे हर महीने के ४-५ दिन हमारी त्वचा से यह संपर्क में आते हैं।



क्या आप
डिस्पोजेबल पैड्स
का खर्च जानते हैं?



₹ 50 हर महीने

₹ 600 हर साल

₹ 24000 आपकी पूरी ज़िन्दगी भर

अगर मैं डिस्पोजेबल
पैड़स इस्तेमाल करती
हूँ तो हर महीने मैं
लगभग ५० रुपए खर्च
करती हूँ एक ऐसी चीज़
के लिए जिससे न तो
मुझे कोई फायदा है और
न ही धरती माता को





रीयुसेबल पैड्स इस्तेमाल करने मुश्किल
काम नहीं है। इसे धोना और सुखाना
बहुत ही सरल है।

मेरे पास जो सौख्यं पैड्स का सेट है वह बहुत जल्दी सूखता है। धोने के लिए बहुत कम समय लगता है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि इनमें धब्बे नहीं लगते। धोते ही पैड बिलकुल साफ़ हो जाता है। मुझे खुशी है कि अगर मैं पांच मिनट दिन के अपने लगाती हूँ पैड्स धोने के लिए तो इससे मेरे स्वास्थ्य की भी सुरक्षा होती है और वातावरण भी प्रदूषित नहीं होता। अभी तो मैं दुबारा कभी वह दुसरे पैड्स इस्तेमाल करूँ, ऐसा सोच भी नहीं सकती।

- मीनाम्बा

सौख्यं पैड़स बहुत ज्यादा आरामदायक हैं,
डिस्पोजेबल पैड़स की तुलना में। मैं तो हैरान
हूँ कि इन्हे धोना और सुखाना कितना सरल
है।

- इसाबेल

सुन्दर सुन्दर रंगों के यह सौख्यं पैइस को मैं एक
साल से इस्तेमाल कर रही हूँ और यह अभी कई
और सालों तक मेरा साथ देंगे । मुझे अच्छा
लगता है कि हर महीने पैइस इस्तेमाल करके
मुझे उनको फेंकना नहीं पड़ता, गंद नहीं फैलाना
पड़ता ।

- सुनंदा

मेरा सौख्यं के साथ अनुभव बहुत ही सकारात्मक रहा
है। इन में प्लास्टिक नहीं है, यह मुझे अच्छा लगता है
। मेरा सौख्यं का सेट मेरे साथ यात्रा के समय भी
रहता है। मुझे अब हर महीने पैड्स खरीदने की
जरूरत नहीं पड़ती।

- विमला



देश विदेश में पिछले एक साल में ५००० से भी अधिक लड़कियों
और महिलाओं ने सौख्यं को अपनाया है



ग्रामीण महिलाओं के लिए यह आय का जरिया भी बन गया
है



अम्मा ने इन महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्म निर्भर बनने के
लिए यह एक मार्ग उनको दिखाया है।



आइये हम भी इस प्रोजेक्ट को अपना समर्थन दें

